जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय

28 अगस्त 2020

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया और दक्षिण कोरिया के एसएनयू ने 'गांधीवादी विचार और दर्शन' पर एक वेबिनार का संयुक्त आयोजन किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने 'गांधीवादी विचार और दर्शन' पर, सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी (दक्षिण कोरिया) के साथ मिलकर एक वेबिनार का संयुक्त रूप से कल आयोजन किया। महात्मा गांधी के 150वें जयंती वर्ष को मनाने के लिए यह, इस श्रृंखला का दूसरा वेबिनार है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने गांधी जयंती के अवसर पर गांधीवादी विचार और दर्शन को प्रसारित करने के लिए इसे प्रस्तावित किया है।

दक्षिण कोरिया के माननीय राजदूत श्री शिन बोंग्किल इसके मुख्य अतिथि थे और जामिया की कुलपति, प्रो नजमा अख्तर ने वेबिनार सत्र की अध्यक्षता की।

सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रो जो डोंग-जून मुख्य वक्ता थे। उन्होंने वेबिनार में 'कोरियाई लोकतंत्र में गांधीजी की छवि के विकास' विषय पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति के साथ एक बहुत ही व्यावहारिक व्याख्यान दिया।

बीएचयू में यूनेस्को चेयर फॉर पीस, प्रो प्रियंकर उपाध्याय ने भी वेबिनार चर्चा में हिस्सा लिया।

जामिया की कुलपति प्रो नजमा अख्तर ने अपने संबोधन में कहा कि जेएमआई में कोरिया के सहयोग से कोरियाई भाषा के पाठ्यक्रम चल रहे हैं और विश्वविद्यालय भविष्य में इस तरह के अन्य आपसी सहयोग की संभावनाओं को देख रहा है।

राजदूत शिन बोंगकिल ने कहा कि महात्मा गांधी भारत के राष्ट्रपिता हैं, लेकिन वे पूरी दुनिया के हैं। शांति और अहिंसा का उनका संदेश, दुनिया के लिए अभी भी बहुत प्रासंगिक है।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत का स्वतंत्रता संघर्ष और जापान के औपनिवेशिक शासन के खिलाफ कोरिया का प्रतिरोध साथ साथ चले। कोरियाई समाचार पत्रों ने भारत के राष्ट्रीय आंदोलन के विभिन्न पहलुओं को कवर किया। हमने एक दूसरे के स्वतंत्रता आंदोलन से प्रेरणा ली।

जामिया के अंग्रेज़ी विभाग के प्रोफेसर मुकेश रंजन ने वेबिनार का समन्वय किया और स्पीकर और अन्य पैनलिस्टों से परिचय कराया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक